सं. ए-45011/3/2022-प्रशासन III
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
***

नई दिल्ली, 2 मई, 2022

कार्यालय ज्ञापन

अधोहस्ताक्षरी को मार्च, 2022 माह के लिए आर्थिक कार्य विभाग के संबंध में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश के अवर्गीकृत भाग को इसके साथ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

अरूप श्याम

(अरूप श्याम चौधुरी)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष नं. 23095091

सेवा में,

1. केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली।
3. कैबिनेट सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. भारत के राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
5. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।
6. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली
7. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।
8. नीति आयोग के सभी सदस्य, योजना भवन, नई दिल्ली।
9. सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
10. राज्यमंत्री (वित्त) के निजी सचिव, वित्त सचिव के प्रधान निजी सचिव, सचिव (ईए) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (राजस्व) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (व्यय) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (दीपम) के प्रधान निजी सचिव।
11. श्री वी. अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
12. अपर सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
13. श्री मनोज सहाय, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (वित्त)।
14. श्री एएम बजाज, अपर सचिव (एफएम), आर्थिक कार्य विभाग
15. श्री रजत कुमार मिश्रा, अवर सचिव (बजट), आर्थिक कार्य विभाग।
16. श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
17. आर्थिक कार्य विभाग में सभी प्रभागों के प्रमुख।

वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार (सीएंडसी/एफएसएलआर/एफएसएंडसीएस)/संयुक्त सचिव (सी.एंड.सी और ओएमआई)/संयुक्त सचिव (बजट)/संयुक्त सचिव (आईपीपी/संयुक्त सचिव (आईएसडी)/संयुक्त सचिव (आईएनबी)/सभी सलाहकार/सीएएए

18. श्री राजेश मल्होत्रा, महानिदेशक (एम एंड सी), वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
19. गार्ड फाइल-2022

ए-45011/3/2022-प्रशासन III

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

***

विषयः **मार्च माह, 2022 के लिए आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) से संबंधित महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश**

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. वृहद आर्थिक सिंहावलोकन:

एक मजबूत विकास गति ने 2021-22 की तीसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी को 2019-20 के पूर्व-महामारी तीसरी तिमाही के उत्पादन के 106.2 प्रतिशत और पहली तीन तिमाहियों के संयुक्त उत्पादन को पूर्व-महामारी स्तर के 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। ये अनुमान भारत की एक लचीली और मजबूत बहाली की संभावनाओं की पुष्टि करते हैं और भारत के मजबूत वृहद आर्थिक आधार की पुष्टि करते हैं।

फरवरी 2022 के दौरान जीएसटी संग्रह (जनवरी लेनदेन को दर्शाता है) 1.33 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत की दो अंकों की वृद्धि दर्ज करता है और यह पूर्व-महामारी स्तर से 26 प्रतिशत अधिक है।

ऊर्जा की मांग में लचीलापन बना हुआ है क्योंकि फरवरी के दौरान वैश्विक गतिविधि का विस्तार हुआ है, जैसा कि वैश्विक पीएमआई संयुक्त सूचकांक में 53.4 तक वृद्धि से संकेत मिलता है – नई व्यवस्था के विकास, रोजगार में तेजी और व्यापार आशावाद को मजबूत करने में मदद करता है।

अप्रैल 2021 - फरवरी 2022 के लिए, खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 5.4 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त 6.2 प्रतिशत से 80 आधार अंक कम है। जनवरी 2022 में 13.0 प्रतिशत की तुलना में फरवरी 2022 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 13.1 प्रतिशत थी। 2021-22 (अप्रैल-फरवरी) में थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि का एक हिस्सा पिछले वर्ष में निम्न आधार के लिए जिम्मेदार है। जैसे-जैसे आधार प्रभाव कम होता है, सूचकांक के क्रमिक विकास तक सीमित होने के कारण, थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के नरम होने की उम्मीद है।

पीएमआई विनिर्माण के अनुसार भारत की विनिर्माण गतिविधि फरवरी 2022 में ठीक हो गई और पिछले महीने में चार महीने के निचले स्तर 54 पर पहुंचने के बाद, 54.9 पर रही, क्योंकि नई व्यवस्था और उत्पादन में खरीदारी गतिविधि में वृद्धि के साथ संयोजन में मजबूत गति से विस्तार हुआ। पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर देने से आने वाले महीनों में औद्योगिक गतिविधियों में सुधार की उम्मीद है।

जनवरी 2022 में उद्योग के ऋण में 6.4 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। मध्यम उद्योगों ने जनवरी, 2022 में उच्च दोहरे अंकों की वार्षिक ऋण वृद्धि 74.7 प्रतिशत दर्ज की, जिसके बाद सूक्ष्म और लघु उद्योगों में 19.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पीएमआई सेवाओं में मामूली सुधार फरवरी 2022 में 51.8 से जनवरी 2022 में 51.5 हो गया। सेवाओं के सुदृढ़ीकरण का श्रेय नई व्यवस्था में विस्तार, बेहतर मांग की स्थिति और बढ़े हुए व्यावसायिक विश्वास को दिया जाता है।

फरवरी 2022 में, व्यापारिक वस्तु के निर्यात का प्रदर्शन पिछले महीने के 25.3 प्रतिशत की तुलना में 25.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लचीला बना रहा। चालू वर्ष के अब तक के 11 महीनों में, व्यापारिक निर्यात 374.8 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46.1 प्रतिशत अधिक है, जो विश्व अर्थव्यवस्था में प्रतिक्षेप से आंशिक रूप से लाभान्वित हुआ है।

निजी निवेश के संकेतक, आईआईपी के पूंजीगत माल सूचकांक में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल-जनवरी 2021-22 में 20.8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई।

चालू तिमाही के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक आर्थिक गतिविधियों में सुधार के संकेत देते हैं क्योंकि नए मामलों में गिरावट के साथ ओमाइक्रोन प्रेरित प्रतिबंधों में ढील दी गई है। पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के केंद्र सरकार के प्रयासों से गुणक प्रभाव के माध्यम से विकास और रोजगार को अधिक बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र-वार विकास दर अनुबंध में दी गई है।

2. महत्वपूर्ण घटनाक्रम:

(i) अनुदानों की पूरक मांगों का तीसरा और अंतिम बैच 2021-22 और अतिरिक्त अनुदान मांग 2018-19 को संसद में पारित कर दिया गया है और कानून मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है।

(ii) राज्यों के हिस्से की बकाया राशि का अंतिम समायोजन राज्यों को अंतरित किया गया।

(iii) भारतीय विकास एवं आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के तहत निम्नलिखित ऋण सहायता (एलओसी) विस्तारित तथा समर्थित की गई:

(क) राज्य में विभिन्न विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए म्यांमार सरकार को 270 मिलियन अमरीकी डालर का एलओसी प्रदान किया गया।